

---

shrIrAdhAprArthanA uddhavakRitA

श्रीराधाप्रार्थना उद्धवकृता

Document Information

---

Text title : uddhavakRita rAdhAprArthanaa

File name : rAdhAuddhava.itx

Category : devii, rAdhA, stotra, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Daniel Mohanpersad danielmohanpersad98 at msn.com

Proofread by : Daniel Mohanpersad danielmohanpersad98 at msn.com

Translated by : -

Latest update : June 24, 2002

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीराधाप्रार्थना उद्धवकृता

उद्धव उवाच ।

येतनं कुरु कल्याणि जगन्मातर्नमोऽस्तुते ।  
त्वमेव प्राक्तनं सर्वं कृषणं द्रक्ष्यसि साम्प्रतम् ॥ १ ॥

त्वत्तो विश्वं पवित्रं च त्वत्पादरजसा मडी ।  
सुपवित्रं त्वद्गदनं पुण्यवत्यश्च गोपिकाः ॥ २ ॥

लोकास्त्वामेव गायन्ति गीतैर्मङ्गलसंस्तवैः ।  
त्वत्सुकीर्तिं च वेदाश्च सनकाद्याश्च संततम् ॥ ३ ॥

कृतपापहरां पुण्यां तीर्थपुञ्जां च निर्मलाम् ।  
हरिभक्तिप्रदां भद्रां सर्वविघ्नविनाशिनीम् ॥ ४ ॥

त्वमेव राधा त्वं कृषणस्त्वं पुमान् प्रकृतिः परा ।  
राधामाधवयोर्भेदो न पुराणो श्रुतौ तथा ॥ ५ ॥

॥ इति श्रीब्रह्मवैवर्ते पुराणे श्रीकृष्णजन्मखण्डे  
उद्धवकृता श्रीराधा प्रार्थना सम्पूर्णा ॥

Encoded by Daniel Mohanpersad danielmohanpersad98@msn.com

---

shrIrAdhAprArthanA uddhavakRitA  
pdf was typeset on August 30, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)